बेंजामिन का गुब्बारा

जेनेट, चित्र: रॉबर्ट सेन्सोनी

बेंजामिन का
गुब्बारा

एक दिन सुबह बेंजामिन को एक गुब्बारा मिला. उसने उसे उठाया और वो उसमें हवा फूंकने लगा.

उसने फूंका और फूंका.

गुब्बारा बड़ा और बड़ा होता गया.

"फूंकना बंद करो, बेंजामिन," उसकी बहन ने कहा.
"तुम्हारे गुब्बारे ने मेरी गुड़ियों को गिराया है."

लेकिन बेंजामिन ने गुब्बारे में हवा फूंकना ज़ारी रखी.
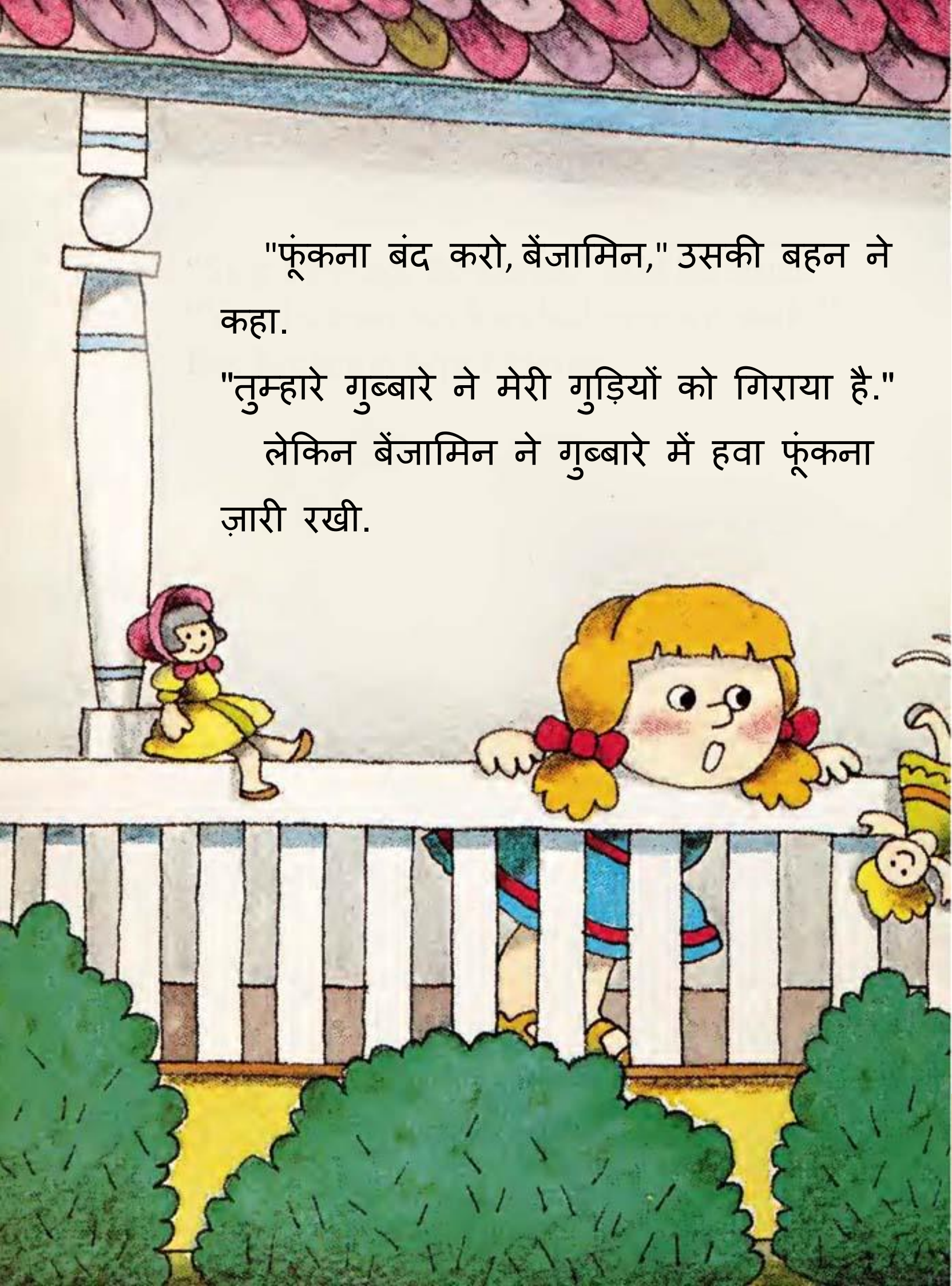
"फूंकना बंद करो, बेंजामिन," उसकी माँ ने कहा.

"तुम्हारे गुब्बारे ने मेरी घड़ी को फिश टैंक में धकेल दिया है."

लेकिन बेंजामिन फूंकता ही रहा.

"फूंकना बंद करो, बेंजामिन!" उसके पिता चिल्लाए.

"तुम अपने गुब्बारे से दादी को कुचल रहे हैं."
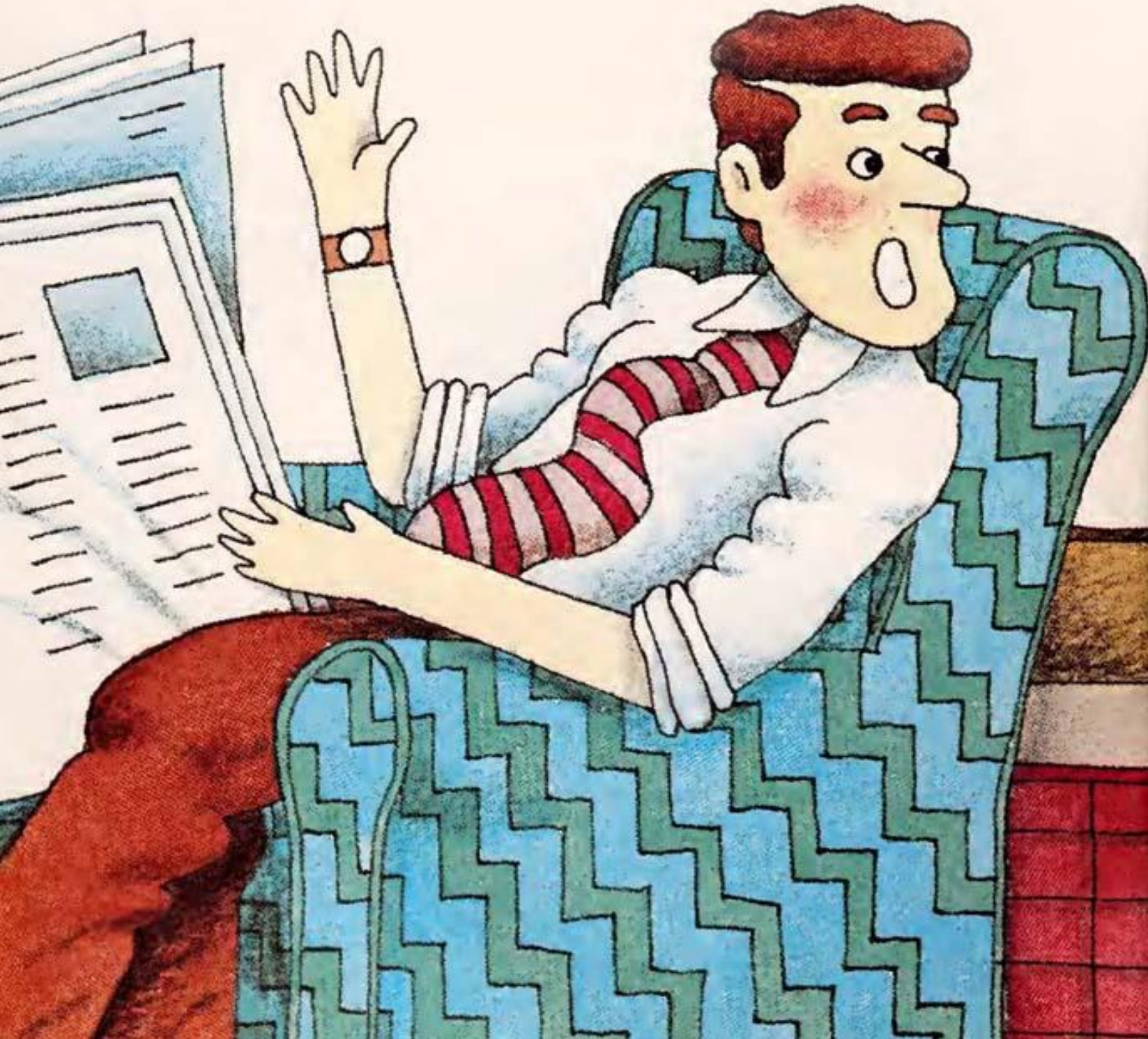
फिर बेंजामिन बाहर जाकर गुब्बारे में हवा फूंकने लगा.
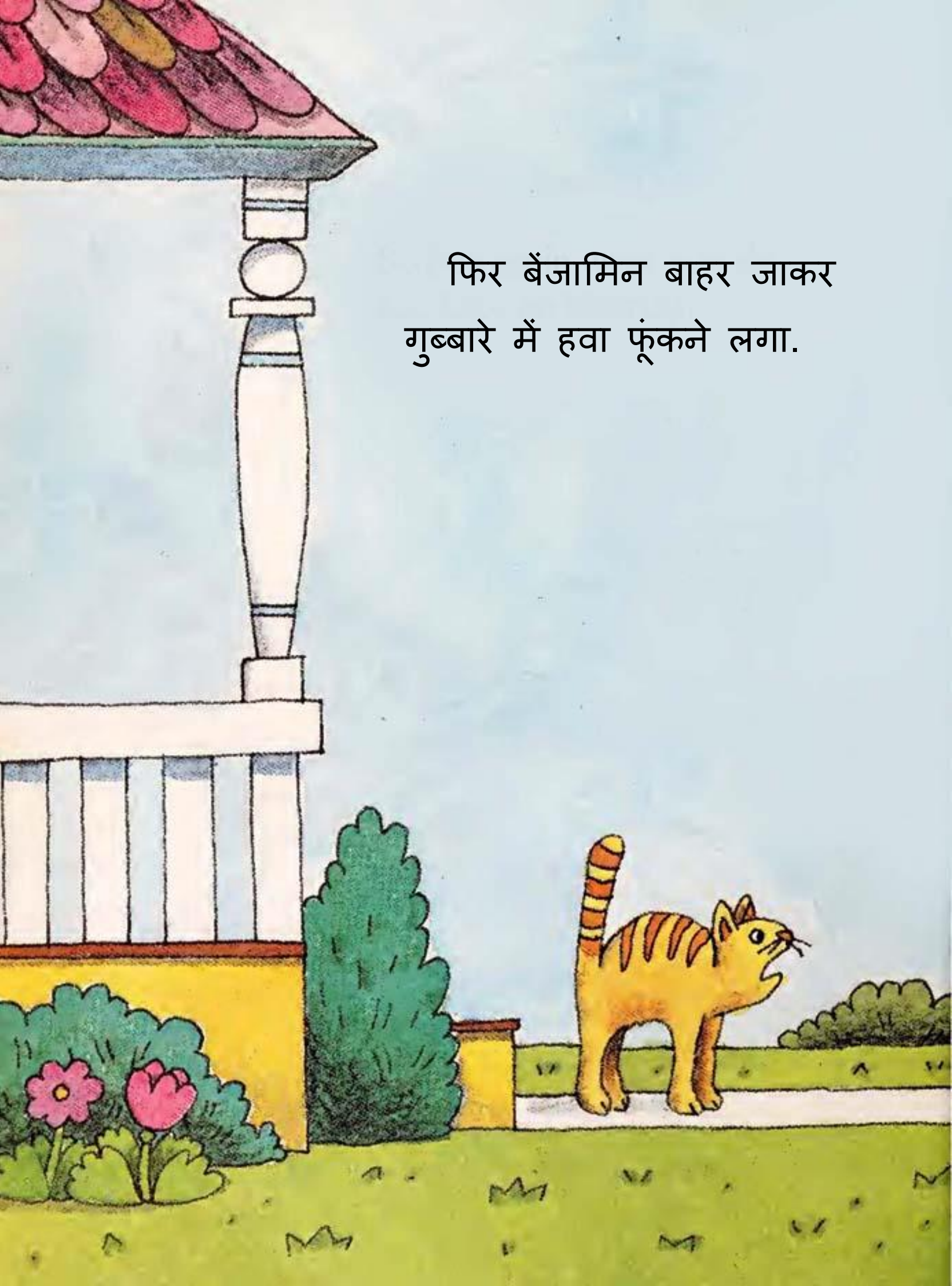
"गुब्बारे में हवा फूंकना बंद करो, बेंजामिन," डाकिया चिल्लाया.

"तुम्हारे गुब्बारे ने मुझे मेरी साइकिल से गिरा दिया है."

परन्तु बेंजामिन बाहर जाकर गुब्बारे में हवा फूंकता ही रहा.

"गुब्बारे को फूंकना बंद करो," एक किसान चिल्लाया.

"तुम्हारे गुब्बारे ने मेरी गायों को गिरा दिया है."
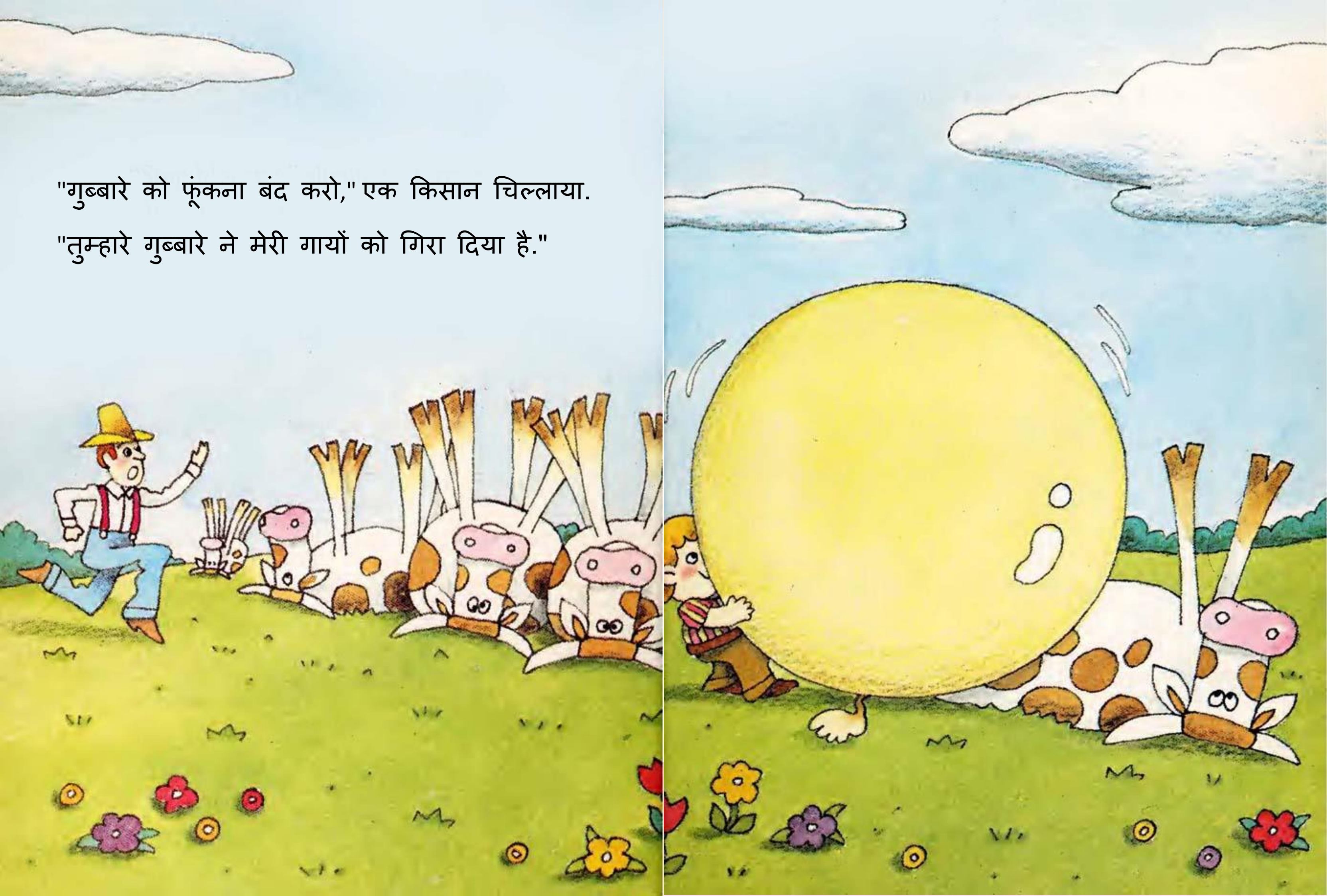
परन्तु बेंजामिन फूंकता ही रहा.
फिर वो एक बड़े खुले मैदान में आ गया.

गुब्बारा अब बहुत बड़ा हो गया था.

"अगर में गुब्बारे को अब छोड़ दूँ," बेंजामिन ने आश्चर्य से कहा, "तो फिर क्या होगा?"

लेकिन, तभी तेज हवा चली. तेज़ हवा बेंजामिन और गुब्बारे को हवा में उड़ा ले चली.
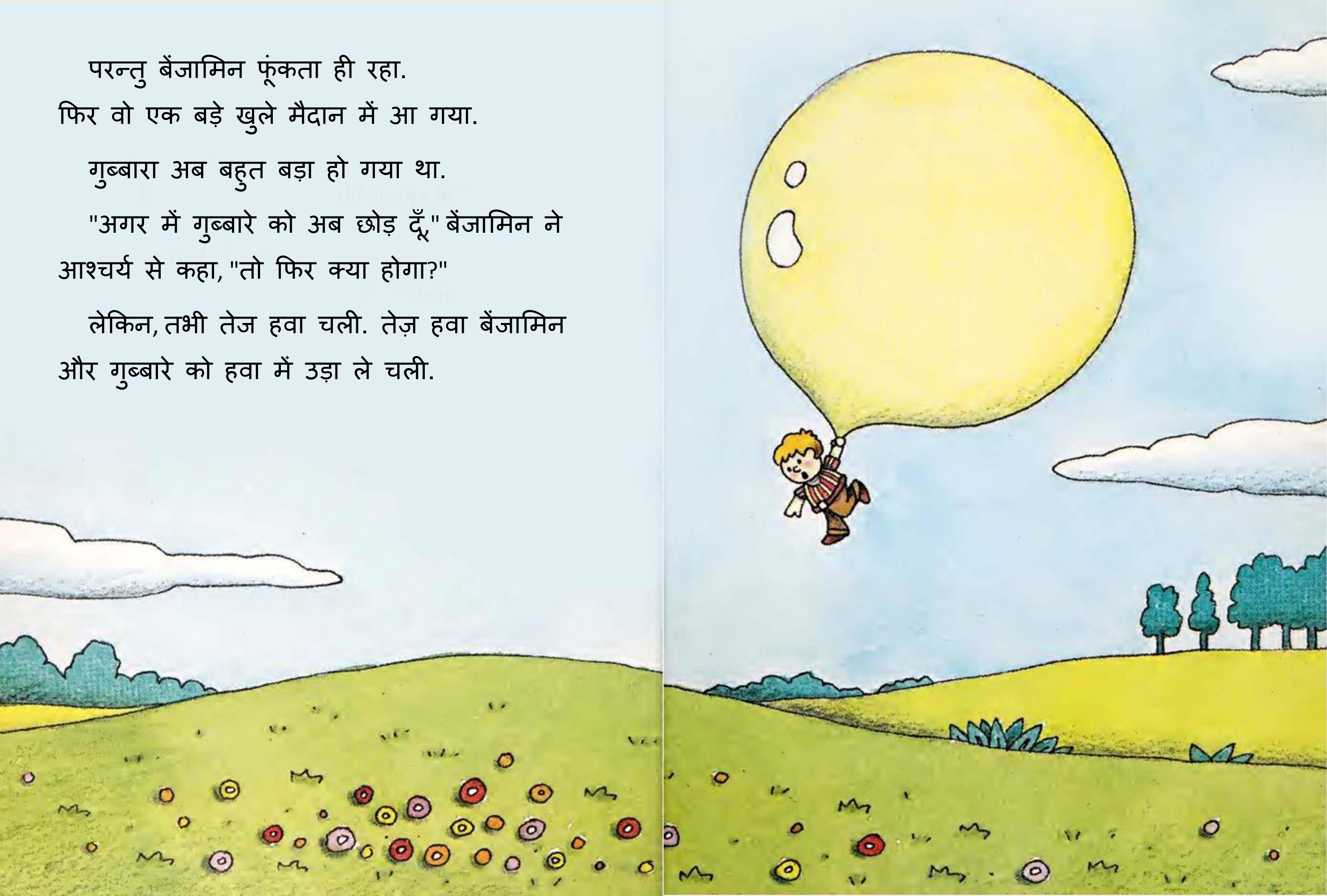
"अरे बाप रे!" बेंजामिन ने गुब्बारे को कसकर पकड़ते हुए कहा.

गुब्बारा खेतों के ऊपर उठा.

वो कस्बों और शहरों के ऊपर उठा.
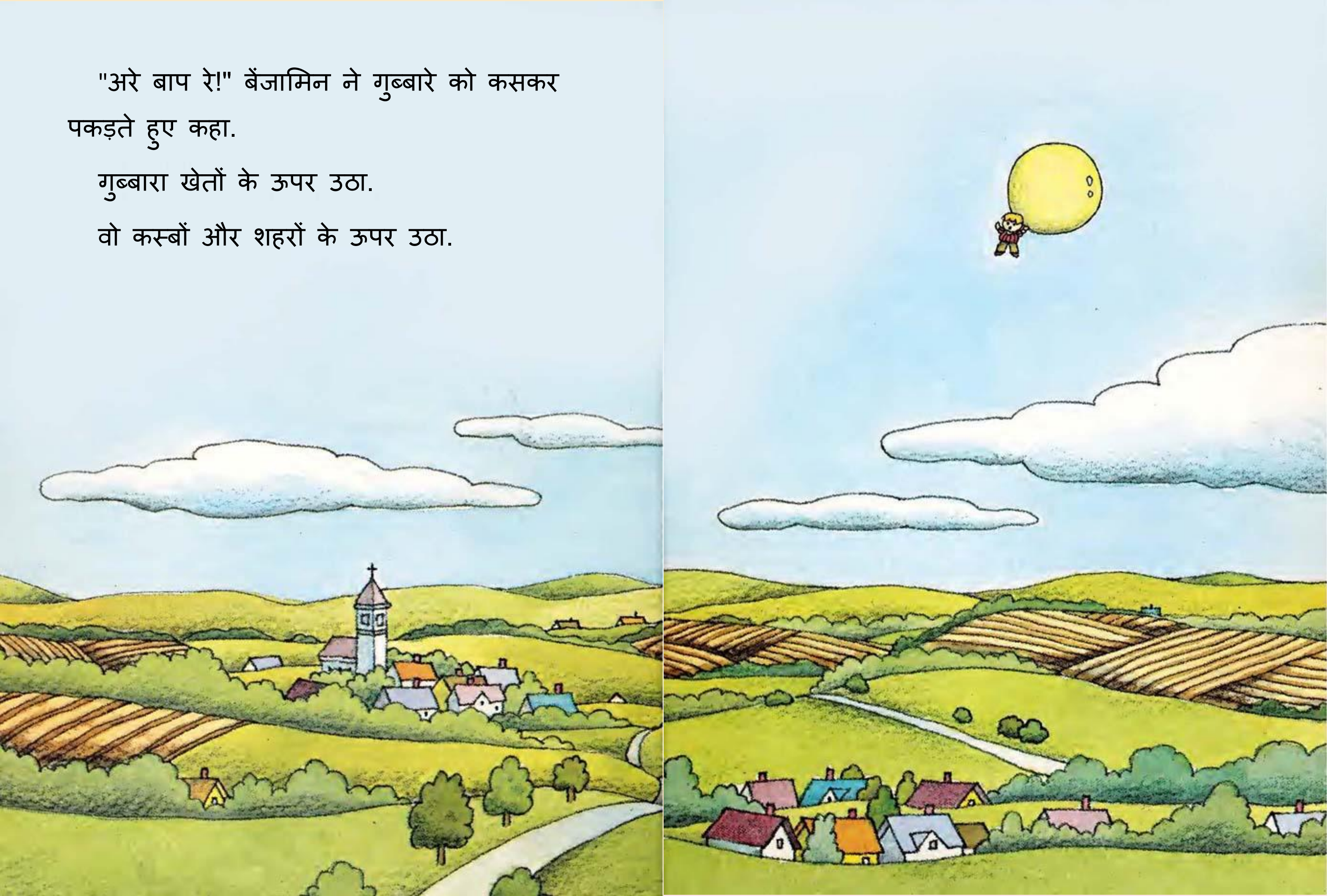
गुब्बारा एक शहर के ऊपर उड़ा.

वो गगनचुंबी इमारतों के बीच में से गुज़रा.

निन्यानवीं मंजिल पर काम करने वाले कई लोग बेंजामिन को देखने के लिए रुके. उन्होंने बेंजामिन को अपनी खिड़कियों ने सामने से गुज़रते हुए देखा.

बेंजामिन उनके हैरान चेहरों को देखकर मुस्कुराया.

"अरे यह तो बहुत मजेदार है,“ उसने खुद से कहा.
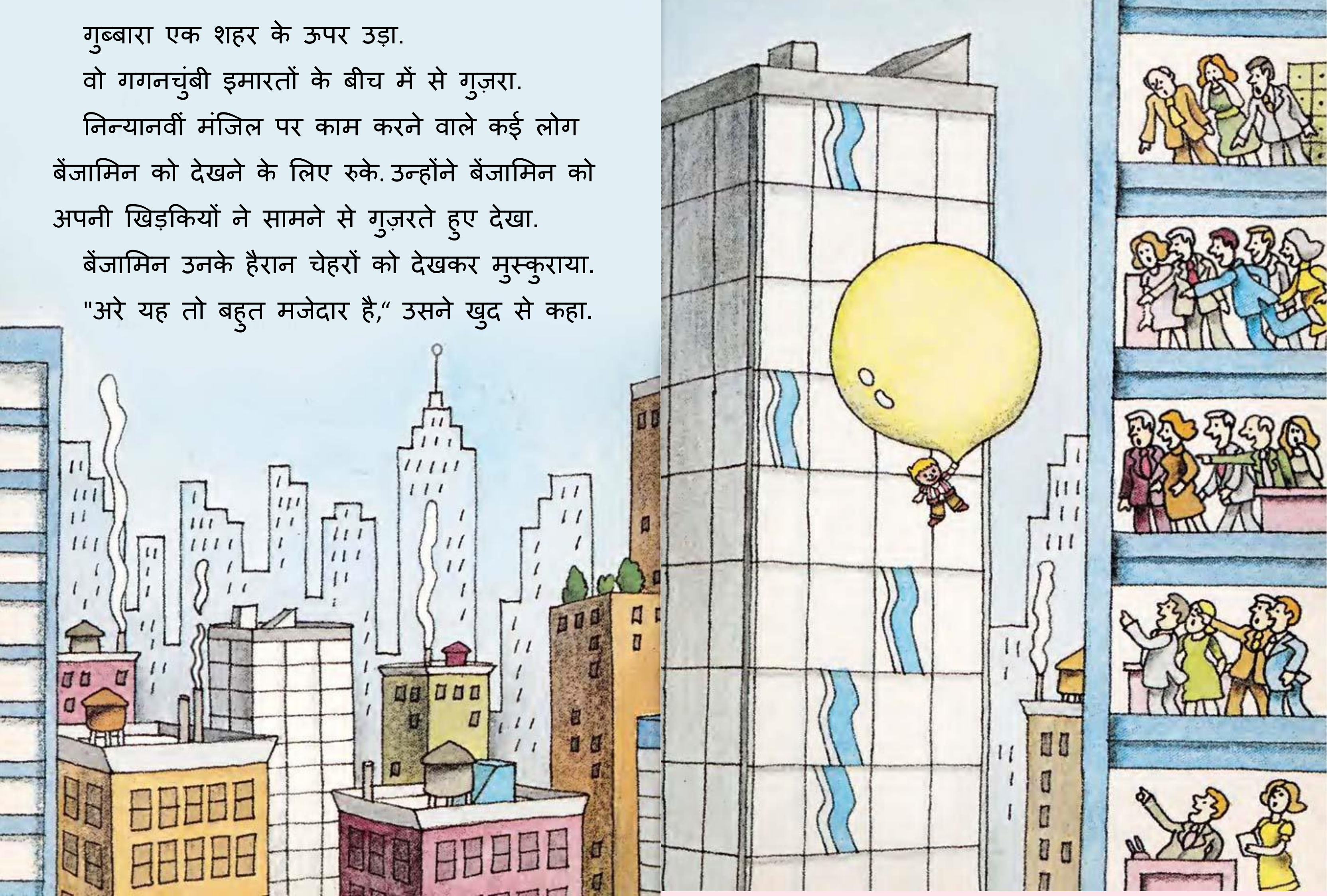
हवा, गुब्बारे को ऊँचे पहाड़ों की ओर बहाकर ले गई.

गुब्बारा, नुकीली बर्फीली चोटियों से जाकर टकराया.

लेकिन मज़बूत गुब्बारा फटा नहीं.

हवा में तैरते हुए गुब्बारे पर कई समुद्री पक्षियों ने अपनी चोंच मारी.

लेकिन फिर भी गुब्बारा फटा नहीं.
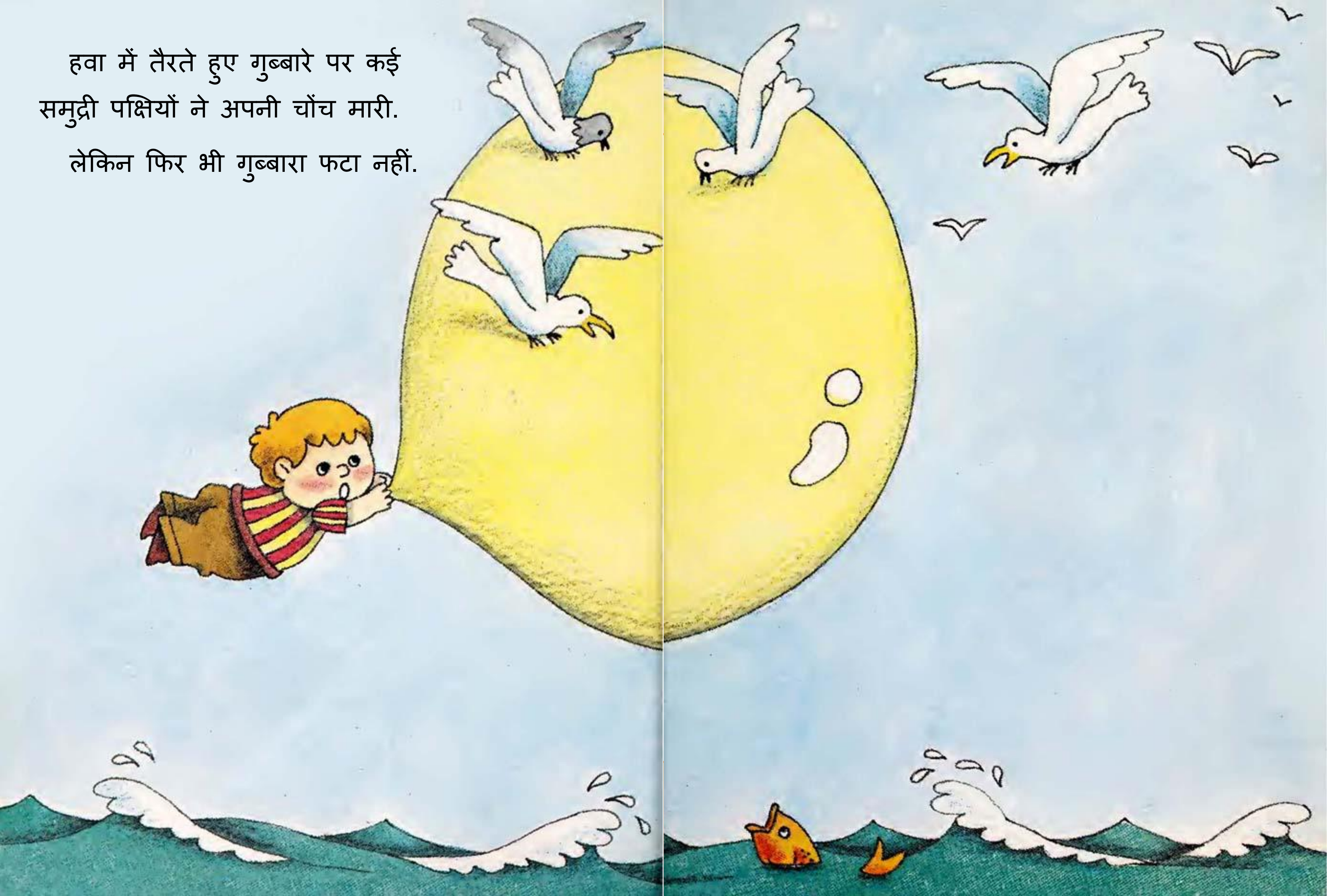
बेंजामिन और गुब्बारा को हवा बहाकर एक दूर-दराज़ के द्वीप पर ले गई.

उस टापू के मूल निवासी गुब्बारे को देखकर डर गए और उन्होंने उसपर नुकीले डार्ट्स फेंके.

लेकिन उनका निशाना चूक गया.
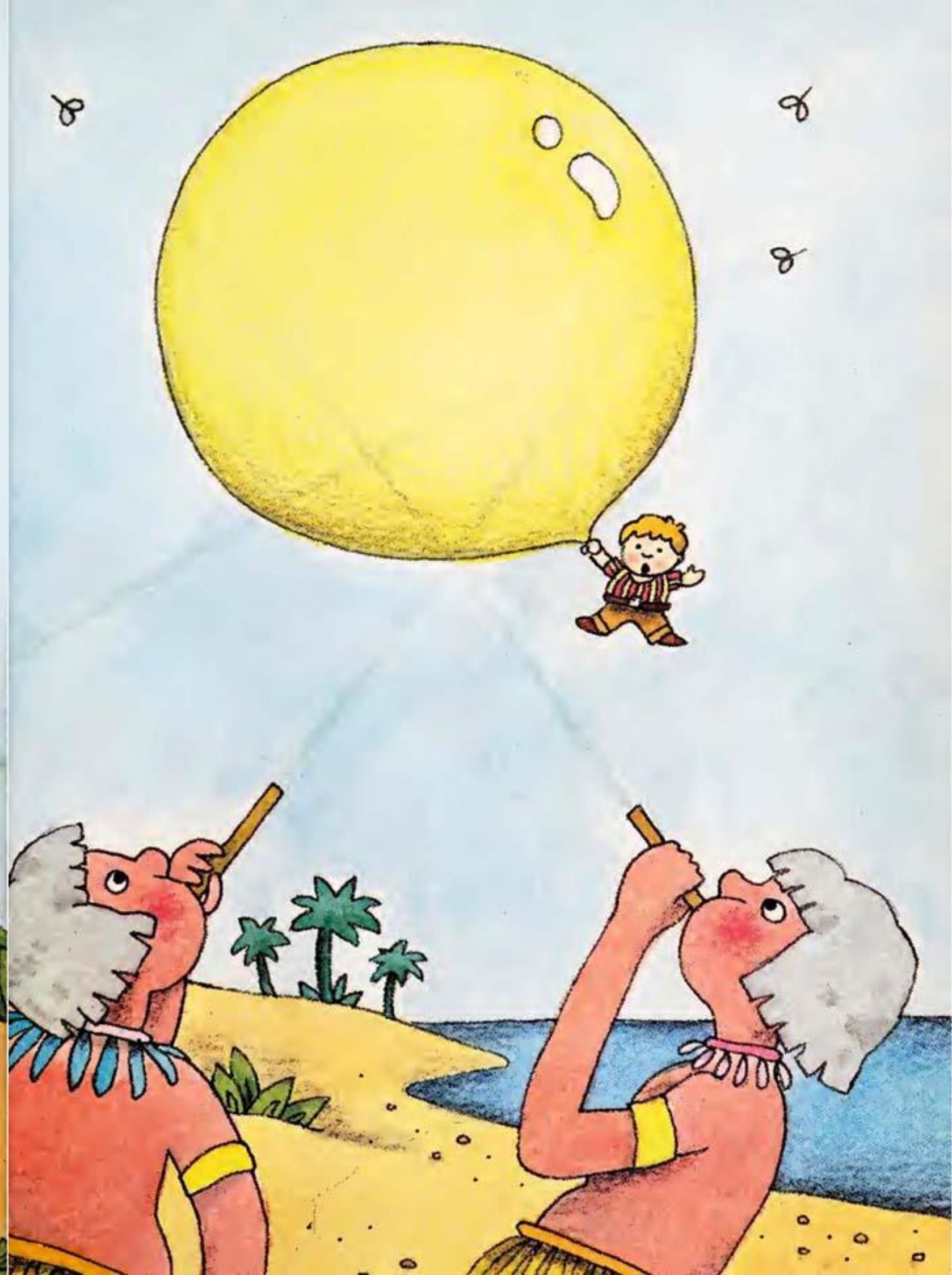
बेंजामिन और गुब्बारा उड़ते हुए उत्तरी-ध्रुव पर पहुंचे.

वहां पर एस्किमो लोग, सीलों का शिकार कर रहे थे. उन्होंने गुब्बारे पर अपने भाले फेंके.

लेकिन वे चूक गए.
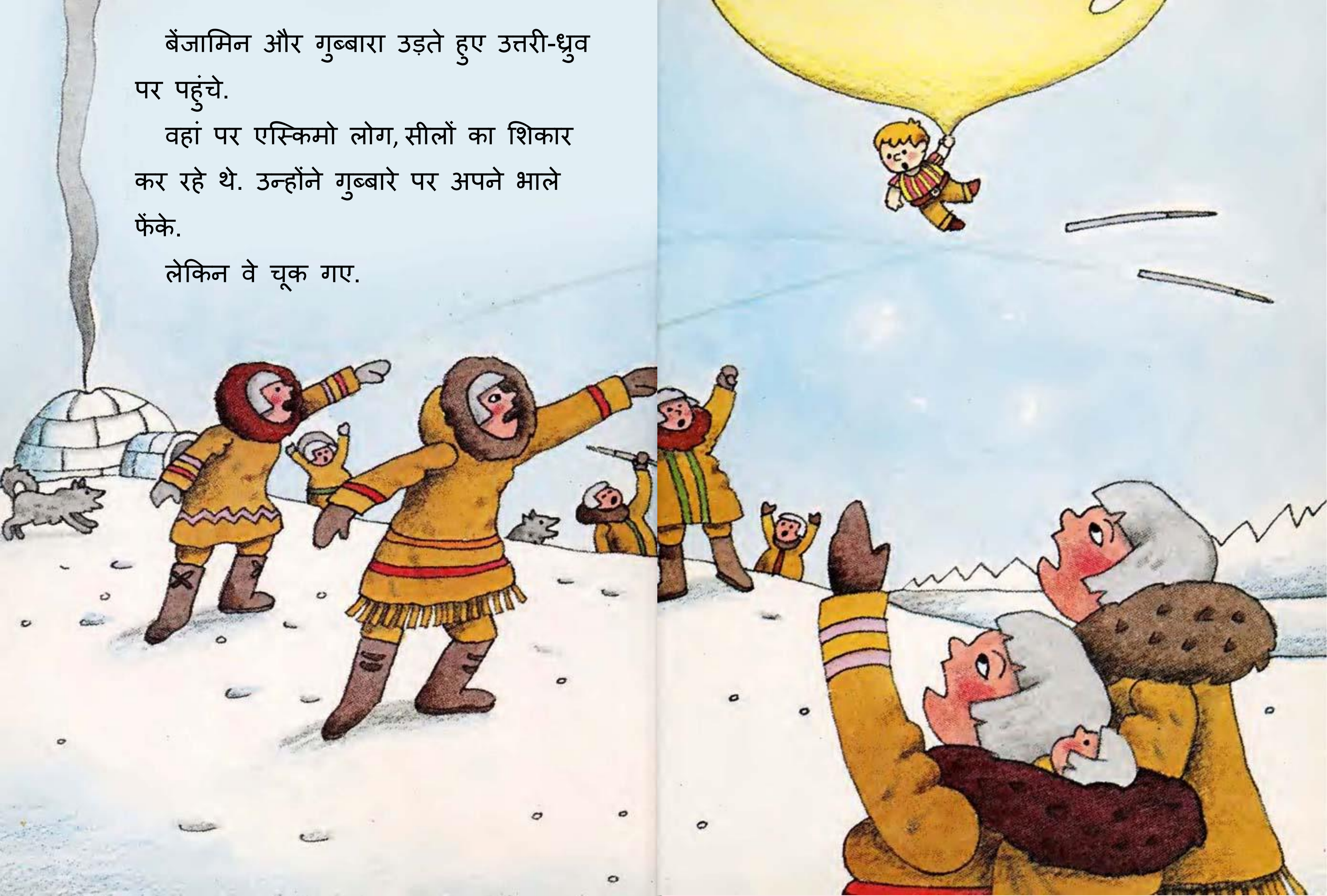
दुनिया भर के हर शहर और गाँव के लोग अपने घरों से बाहर निकले.

हर कोई बेंजामिन और उसके गुब्बारे को आसमान में उड़ते हुए देखना चाहता था.

बेंजामिन हाथ हिलाकर उन लोगों का स्वागत कारण चाहता था, लेकिन उसकी गुब्बारे को छोड़ने की हिम्मत नहीं हुई.
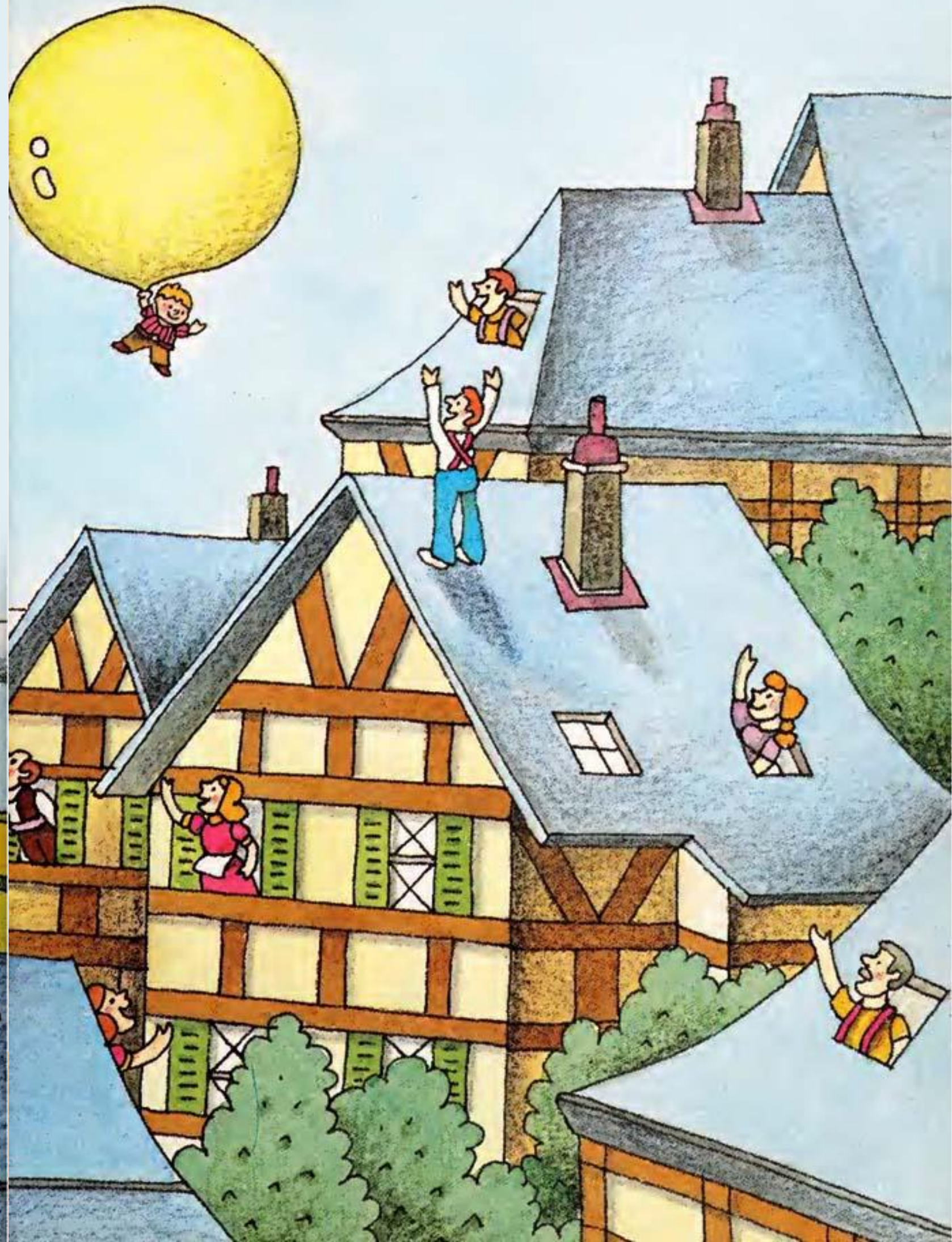
जब बेंजामिन गुब्बारे के मुंह को पकड़े-पकड़े थक गया तभी तेज़ हवा थम गई.

और फिर गुब्बारा धीरे-धीरे ज़मीन पर आ गया.

गुब्बारा, बेंजामिन के घर के पास में आकर उतरा.

सब लोग उस विशाल गुब्बारे को देखने के लिए दौड़े हुए आए.

बेंजामिन ने अपने एक हाथ से गुब्बारे को सिर के ऊपर पकड़े रखा.

फिर एक और हवा के झोंके के आने से पहले, बेंजामिन ने गुब्बारा छोड़ दिया.

गुब्बारे में से हवा बाहर निकली :

फुस.......... ससससससस..........
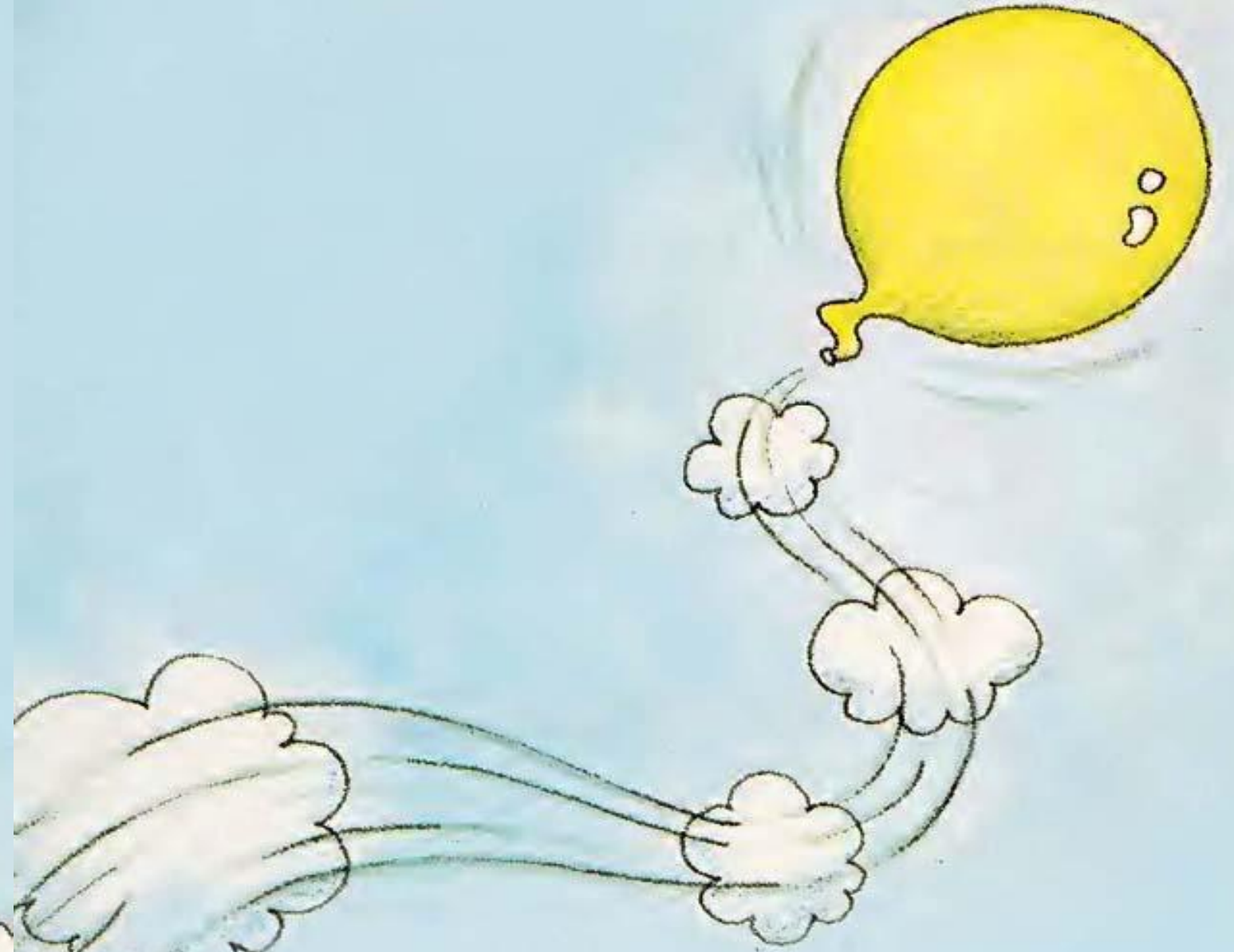
धीरे-धीरे गुब्बारे में से पूरी हवा निकल गई.

अब बेंजामिन संतुष्ट था.

अंत